# पाठ 11. तीन मूर्तियाँ

## पाठ का उद्देश्य

प्रस्तुत पाठ का प्रमुख उद्देश्य बच्चों को सुनने की कला तथा जीवन जीने की कला सिखाना है। इस पाठ में तीन मूर्तियों के द्वारा व्यक्ति की समझदारी को दर्शाया गया है। इसके माध्यम से बच्चों में तार्किक रूप से सोचने तथा समझदारी से काम करने की क्षमता विकसित होगी।

## पाठ का सारांश

एक शहर में बहुत बड़ा मेला लगा था। मेला देखने बहुत सारे बच्चे आए हुए थे। मेले में विभिन्न कलाकारों द्वारा बनाई गई मूर्तियाँ थीं। मूर्तियों को देखकर बच्चे खुश हो रहे थे। मंडप में तीन मूर्तियाँ एक जैसी थीं पर उनकी कीमत अलग-अलग लिखी हुई थी। तब बच्चों ने मूर्तिकार से पूछा कि तीनों की कीमत में अंतर क्यों है। कलाकार ने बताया कि तीनों मूर्तियाँ एक जैसी दिखती हैं, लेकिन सलाई डालते ही उनके अंतर का पता चल जाता है। पहली मूर्ति के कान में सलाई डालने से वह दूसरे कान से निकल जाती है। यह मूर्ति पचास रुपए की है, क्योंकि यह कुछ भी ग्रहण नहीं करती। दूसरी मूर्ति के कान में सलाई डालने से वह मुँह से निकलती है। इसकी कीमत पाँच सौ रुपए है, क्योंकि यह सुनकर कुछ ग्रहण करती है। तीसरी मूर्ति के कान में सलाई डालने से वह अंदर ही रह जाती है यानी यह सुना हुआ पूरा ग्रहण करती है। इसलिए इसकी कीमत पाँच हज़ार रुपए है। कलाकार ने फिर बच्चों को समझाया कि आदमी भी तीन तरह के होते हैं। पहला जो समझदार नहीं होता, वह एक कान से सुनकर दूसरे कान से निकाल देता है। दूसरा जो थोड़ा समझदार होता है, वह सुनकर मुँह से निकाल देता है और तीसरा सबसे समझदार होता है, जो सुनकर मन में धारण कर लेता है।

## अध्यापन संकेत

पाठ पठन से पूर्व बच्चों से **पहले पहल** के अंतर्गत दिए गए प्रश्न पूछें। बच्चों में किसी भी बात को ध्यान से सुनने तथा सुनकर अर्थ ग्रहण करने की क्षमता विकसित करने का प्रयास करें। पाठ का स्वयं वाचन करें तथा बच्चों से भी एक-एक अंश पढ़वाएँ। पाठ का वाचन करवाते समय उनसे बोध आधारित प्रश्न पूछें। विभिन्न कलाओं से मिलने वाली सीख के बारे में बच्चों से चर्चा करें।

बच्चों से पूछें एवं समझाएँ–

- किन-किन त्योहारों पर मूर्तियाँ बनाई जाती हैं?
- क्या हमें नदियों-तालाबों में मूर्ति विसर्जन करना चाहिए?
- मेले में आपको सबसे अच्छा क्या लगता है?
- क्या आप लोगों की बातों को ध्यान से सुनकर ग्रहण करते हैं?
- बच्चों को समझाएँ कि कला हमारे जीवन का अभिन्न अंग है और इसके माध्यम से कलाकार अपने विचार व्यक्त करता है।
- हमें विभिन्न कलाकारों का सम्मान करना चाहिए।
- हमें सभी की बातों को ध्यान से सुनना-समझना चाहिए।
- बच्चों में तार्किक चिंतन क्षमता विकसित करने का प्रयास करें।

डिजिटल (Digital) के माध्यम से पाठ की ई-बुक विद्यार्थियों को दिखाकर पाठ के प्रत्येक अंग का स्पष्टीकरण कीजिए। गतिविधियों की दुनिया से परिचय भी कराइए।